

पंक्ति 2. एक तरह की चीजों का निरंतर चलता रहने वाला क्रम 3. फूलों का हार, गजरा 4. फूलों के हार की तरह बनाया हुआ सोने चाँदी, रत्नों आदि का हार 5. कुछ विशिष्ट प्रकार के दानों या मनकों का हार जो धार्मिक दृष्टियों से पहना जाता है 6. समूह, झुंड 7. एक प्राचीन नदी 8. दूब 9. भुईँ आँवला 10. काठ की एक प्रकार की कटोरी जिसमें उबटन या तेल रखकर शरीर पर मला या लगाया जाता है काव्य. उपजाति छंद का एक भेद जिसमें प्रथम और द्वितीय चरण में जगण, तगण, जगण और अंत में दो गुरु तथा तीसरे और चौथे चरण में दो तगण फिर जगण और अंत में दो गुरु होते हैं पुं. (देश.) मकान का खंडा, (महाराष्ट्र) जैसे-मकान का चौथा माला।

मालाकार पुं. (तत्.) 1. पुराणानुसार एक वर्णसंकर जाति वि. ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार यह जाति विश्वकर्मा और शूद्रा से उत्पन्न है, पराशर पद्धति के अनुसार यह तेलिन और कर्मकार से उत्पन्न है 2. माली।

मालाकृति वि. (तत्.) माला के आकार का।

मालातृण पुं. (तत्.) एक तरह की सुगंधित घास।

माला-दीपक पुं. (तत्.) साहित्य में, दीपक अलंकार का एक भेद जिसमें किसी वस्तु के एक ही गुण के आधार पर उत्तरोत्तर अनेक वस्तुओं का संबंध बतलाया जाता है जैसे- रस से काव्य, काव्य से वाणी, वाणी से रसिक और रसिक से सभा की शोभा बढ़ती है।

माला-दूर्वा स्त्री. (तत्.) एक प्रकार की दूब जिसमें बहुत सी गाँठें होती हैं, गंडदूर्वा।

माला मणि पुं. (तत्.) रुद्राक्ष।

मालामाल वि. (फा.) जिसके पास बहुत अधिक माल या धन हो, धन-धान्य से पूर्ण, संपन्न।

माला-रानी स्त्री. (देश.) संगीत. कल्याण ठाठ की एक रागिनी।

मालिक पुं. (तत्.) 1. मालाएँ बनाने वाला, माली 2. रजक, धोबी 3. एक प्रकार का पक्षी पुं. 1.

वह जो सब का स्वामी हो और सब पर अधिकार रखता हो 2. ईश्वर 3. संपत्ति आदि का स्वामी, अध्यक्ष 4. विवाहिता स्त्री का पति, शौहर।

मालिका स्त्री. (तत्.) 1. पंक्ति, श्रेणी 2. फूलों आदि की माला 3. गले में पहनने का एक प्रकार का गहना 4. पक्के मकान के ऊपर का कोठा, अटारी 5. अंगूर की शराब 6. मदिरा 7. पुत्री, बेटी 8. चमेली 9. अलसी 10. माली जाति की स्त्री, मालिन 11. मुरा नामक गंध द्रव्य (फा.) 'मालिक' का स्त्री, स्वामिनी।

मालिकाना पुं. (अर.) 1. स्वामी का अधिकार या स्वत्व, मिलकियत, स्वामित्व 2. वह कर या धन जो मध्य युग में जमीन के मालिक या जमींदार को किसानों आदि से आधिकारिक रूप में प्राप्त होता था वि. 1. मालिकों का 2. मालिकों जैसा अव्य. मालिक के रूप में, मालिक की तरह क्रि.वि. मालिक की भाँति जैसे-मालिकाना हक।

मालिकी स्त्री. (फा.) मालिक होने की अवस्था या भाव, स्वामित्व, मालियत वि. मालिक या स्वामी का जैसे- मालिकी माल।

मालिन स्त्री. (तत्.) 1. माली की स्त्री 2. माली का काम करने वाली स्त्री।

मालिनी स्त्री. (तत्.) 1. माली जाति की स्त्री, मालिन 2. चंदा नगरी का एक नाम 3. गौरी 4. गंगा 5. जवासा 6. कलियारी 7. स्कंद की सात मातृकाओं में से एक 8. साहित्य में, मदिरा नाम की वृत्ति 9. काव्य. एक प्रकार का वर्णिक वृत्त जिसके प्रत्येक पाद में 15 अक्षर होते हैं, पहले 6 वर्ण, दसवाँ और तेरहवाँ लघु और शेष गुरु होते हैं (न न भ य य) इसे कोई-कोई मात्रिक भी मानते हैं 10. मार्कंडेय पुराण के अनुसार रौच्य मनु की माता का नाम 11. हिमालय की एक प्राचीन नदी, कहते हैं कि इसी के तट पर मेनका के गर्भ से शकुंतला का जन्म हुआ था।

मालिन्य पुं. (तत्.) 1. मलिन होने की दशा या भाव, मलिनता, मैलापन 2. अंधकार, अंधेरा।